INTERMEDIATE EXAMINATION – 2020 (ANNUAL)

Sl. No. – 108/208

Maithili (opt.) (Model Set)

(मैथिली)

[Time : 03 Hrs. 15 Minutes] **[Full Marks : 100]**

I.Sc. & I.Com – LL-MAITHILI (OPT)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
4. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
5. खण्ड–अ में 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं।(प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है) इन 60 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर दिया जाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी द्वारा 50 से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिये जाने की स्थिति में कम्प्यूटर द्वारा प्रथम 50 प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाएगा। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हेतु उपलबध कराये गये OMR–उत्तर पत्रक में दिये गए सही वृत्त को काले/नीले बॉल पेन से भरें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
6. खण्ड–ब में कुल 19 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।
7. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक–यंत्र का प्रयोग वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 60 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 60 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR–शीट पर चिह्नित करें।

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी लिपि में लिखू।

निम्नलिखित बहुवैकल्पिक उत्तर में कोनों 50 टाक सही उत्तर लिखू –(50x1=50)

1. 'ऋतु–वर्णना' क रचयिता छथि –

   A. मायानन्द मिश्र B. ज्योतिरीश्वर

   B. मनमोहन झा D. ललित

2. म0 म0 परमेश्वर झाक रचना अछि –

   A. अधोगति B. ललका पाग

   B. बाबी D. सीमन्तिनी

3. 'राष्ट्रीय एकताक महत्व' शीर्षकक निबंधकार छथि –

   A. कुमार गंगानन्द सिंह B. प्रभास कुमार चौधरी

   C. राजकमल चौधरी D. भाग्य नारायण झा

4. मनमोहन झाक कथा अछि –

   A. टुटैत कीलक जाँत B. सीमक लत्ती

   C. रूना D. ललका पाग

5. 'हाथीक दाँत' क एकांकीकार छथि –

   A. प्रबोध नारायण सिंह B. मायानन्द मिश्र

C. दुर्गानाथ झा 'क्षीश'

D. जगदीश चन्द्र झा

6. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' क रचना अछि –

A. बड़ा दिनक धूमधाम

B. मैथिली साहित्य में नचारी

C. ओवरलोड

D. बाबी

7. 'ललका पाग' क कथाकार छथि –

A. उषा किरण खान

B. भीमनाथ झा

C. राजकमल चौधरी

D. भाग्य नारायण झा

8. जगदीश चन्द्र झाक रचना अछि –

A. डॉ0 सर सी0 वी0 रमण

B. बड़ा दिनक धूमधाम

C. टुटैत कीलक जाँत

D. सीमक लत्ती

9. 'ओवरलोड' क कथाकार छथि –

A. ललित

B. मनमोहन झा

C. राजकमल चौधरी

D. कुमार गंगानन्द सिंह

10. मायानन्द मिश्रक कथा अछि –

A. टुटैत कीलक जाँत

B. बाबी

C. रूना

D. ओवरलोड

11. 'बाबी' कथाक कथाकार छथि –

A. म0 म0 परमेश्वर झा

B. प्रभास कुमार चौधरी

C. भाग्य नारायण झा

D. राजकमल चौधरी

12. म0 म0 डॉ0 सर गंगानाथ झाक रचना अछि –

A. ऋतु–वर्णना

B. सीमन्तिनी

C. अधोगति

D. हाथीक दाँत

13. 'डॉ0 सर सी0 वी0 रमण' शीर्षक क रचयिता छथि –

A. भाग्य नारायण झा

B. जगदीश चन्द्र झा

C. मायानन्द मिश्र

D. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

14. भीमनाथ झाक निबन्ध अछि –

A. राष्ट्रीय एकताक महत्त्व

B. मैथिली निबंध साहित्यक रूपरेखा

C. बड़ा दिनक धूमधाम

D. मैथिली साहित्य में नचारी

15. ''सीमक लत्ती' क कथाकार छथि –

A. उषा किरण खान

B. राजकमल चौधरी

C. प्रभास कुमार चौधरी

D. कुमार गंगानन्द सिंह

16. 'विद्यापति–वन्दना' शीर्षक कविताक कवि छथि –

A. हर्षनाथ झा

B. मनबोध

C. गोविन्ददास

D. लालदास

17. मन्त्रेश्वर झाक कविता अछि –

A. उठह कृषक

B. मनुक्खक जीवन

C. नूतन स्वर

D. शरद संगीत

18. 'बाल–लीला' शीर्षकक रचयिता छथि –

A. मनबोध

B. आरसी प्रसाद सिंह

C. पं. गोविन्द झा

D. सोमदेव

19. मार्कण्डेय प्रवासीक रचना अछि –

A. आवाहन

B. अग्रतः सकलं शास्त्रं पृष्ठतः सशरं धनुः

C. चिनगी

D. छुतहर

20. 'सोहर' शीर्षक कविताक रचयिता छथि –

A. हर्षनाथ झा

B. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'

C. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

D. आरसी प्रसाद सिंह

21. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' क रचना अछि –

A. गोबर थिकहुँ हम

B. बाढ़िक हकरोस

C. जानकी–परिणय

D. शरद–संगीत

22. लालदासक रचना अछि –

A. कुसुम–वदना

B. नूतन स्वर

C. हम संस्कृति भारवर्षक

D. जानकी–परिणय

23. 'उठह कृषक' शीर्षक कविता छनि –

A. पं0 गोविन्द झाक

B. सोमदेवक

C. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' क

D. डॉ0 काञ्चीनाथ झा 'किरण' क

24. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' क रचना अछि –

A. छुतहर
B. चिनगी
C. आवाहन
D. बाढ़िक हकरोस

25. 'नूतन स्वर' शीर्षक क कवि छथि –

A. हर्षनाथ झा
B. सोमदेव
C. पं0 गोविन्द झा
D. बैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'

26. 'काञ्चीनाथ झा 'किरण' क कविता अछि –

A. विद्यापति–वन्दना
B. बाल–लीला
C. सोहर
D. चिनगी

27. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' क रचना अछि –

A. हम संस्कृति भारतवर्षक
B. गोबर थिकहुँ हम
C. छुतहर
D. आवाहन

28. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' क कविता अछि –

A. आवाहन
B. मनुक्खक जीवन
C. शरद–संगीत
D. चिनगी

29. 'गोबर थिकहुँ हम' शीर्षकक कवि छथि –

A. बैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'
B. लालदास
C. मनबोध
D. हर्षनाथ झा

30. आरसी प्रसाद सिंहक रचना अछि –

A. बाढ़िक हकरोस
B. शरद–संगीत
C. छुतहर
D. गोबर थिकहुँ हम

31. 'परि लागब' क अर्थ होइछ –

A. प्राप्त होयब
B. जमा होयब
C. पछारब
D. खूब कमायब

32. 'कान भरब' क अर्थ होइछ –

A. गुज्जी होयब
B. चुगली करब
C. कानक दर्द
D. प्रतीक्षा करब

33. 'गेंठ बान्हब' क अर्थ होइछ –

A. स्मरण राखव
B. झंझटि करब
C. अपस्यांत करब
D. ईर्ष्या करब

34. 'माछी मारब' मोहाबराक तात्पर्य होइछ –

A. बेकार बैसब
B. पछारब
C. पाछू पड़ब
D. माछीकेँ मारब

35. 'कान काटब' क अर्थ होइछ –

A. मात करब
B. कान ऐंठब
C. कान पकड़ब
D. कान में घाव

36. रमानाथ झाक (मिथिला भाषा प्रकाश) मतानुसार समासक भेद अछि –

A. दू
B. तीन
C. चारि
D. पाँच

37. सन्धि क भेद होइछ –

A. तीन
B. चारि
C. पाँच
D. छओ

38. वाच्यक भेद होइछ –

A. चारि B. पाँच

C. छओ D. सात

39. 'गणेश' क पर्यायवाची होइछ –

A. गणपति B. पशुपति

C. देव D. पिनाकी

40. 'घर' क पर्यायवाची होइछ –

A. गृह B. महल

C. खोपड़ी D. कोठा

41. 'पंडित' क पर्यायवाची होइछ –

A. विद्वान B. पंडा

C. पुजेगरी D. पुरहित

42. 'चिड़ै' क पर्यायवाची होइछ –

A. नभचर B. फनिगा

C. जलचर D. काछु

43. 'नढ़िया' क पर्यायवाची होइछ –

A. हुराड़ B. गीदड़

C. व्याल D. दन्ती

44. 'पुष्प' क पर्यायवाची होइछ –

A. प्रसून B. गुलाब

C. अड़हुल D. चमेली

45. 'शारदा' क पर्यायवाची होइछ –

A. वीणापाणि
B. अणिमा
C. प्रमदा
D. नन्दिनी

46. 'नेरू' क शब्दार्थ होइछ –

A. गायक बच्चा
B. महिसक बच्चा
C. बकरीक बच्चा
D. बाघक बच्चा

47. 'सरस' क शब्दार्थ होइछ –

A. सरल
B. रसयुक्त
C. पाकल
D. परिपक्व

48. 'मयंक' क शब्दार्थ होइछ –

A. सूर्य
B. चन्द्रमा
C. आकाश
D. तरेगन

49. 'प्रत्यक्ष' क शब्दार्थ होइछ –

A. सामने
B. परोक्ष
C. बगल
D. प्रतिमूर्ति

50. 'मनोरथ' क शब्दार्थ होइछ –

A. अभिलाषा
B. मनोविकार
C. मनोरम
D. मानसिक

51. 'वीरांगना' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. वीरा + आंगना
B. वीर + आंगना
C. विर + आंगना
D. वीरांग + ना

52. 'परोपकार' क सन्धि – विच्छेद होइछ –

A. परोप + कार
B. परो + उपकार
C. पर + उपकार
D. परा + उपकार

53. 'सज्जन' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. सज + जन
B. सज्ज + न
C. सत् + जन
D. स + जन

54. 'नमस्कार' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. नमस् + कार
B. नमः + सकार
C. नम + स्कार
D. नमः + कार

55. 'वयोवृद्ध' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. वय + वृद्ध
B. वयो + वृद्ध
C. वयः + वृद्ध
D. वय + वृद्धः

56. 'हिमालय' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. हिम + लय
B. हिमा + लय
C. हिम + आलय
D. हिमाल + य

57. 'गिरीन्द्र' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. गिरी + इन्द्र
B. गिरि + इन्द्र
C. गिर + इन्द्र
D. गिरे + इन्द्र

58. 'सूर्योदय' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. सूर्यो + दय

B. सूर्य + ओदय

C. सूर्य + उदय

D. सूर्य + दय

59. 'सुरेश' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. सुरे+श

B. सुर+ईश

C. सुरा+ईश

D. सु+रेश

60. 'महेन्द्र' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. महा + इन्द्र

B. मह + इन्द्र

C. महे + इन्द्र

D. महि + इन्द्र

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित मे सँ कोनो पाँच लघुउत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (5 X 2 = 10)

1. 'छुतहर' शब्दक की अभिप्राय अछि?
2. 'चिनगी' क काज की होइत अछि?
3. 'नूतन स्वर' कविता में कोन–कोन नूतन स्वरक समाबेश अछि ?
4. राम–जानकीक पाणिग्रहण संस्कार कोना सम्पन्न भेल?
5. गोबरक तिरस्कार कोन रूपँ भए रहल अछि?
6. 'ओवरलोड' कथा में ललितक कहबाक की उद्देश्य अछि?
7. बाबीक मनोरथ की छलनि ?
8. मिथिलाक अधोगतिक सन्दर्भ में लेखक कोन तरहें विचार कयलनि अछि?
9. एकता आ राष्ट्रक शक्ति में अभिन्न संबंध कोना अछि ?

निम्नलिखित कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (3 X 5 = 15)

10. 'रूना' कथाक आधार पर रूनाक चरित्र–चित्रण करू।

11. 'ललका पाग' शीर्षक कथा में व्यक्त विचारक उल्लेख करू।

12. डॉ0 सर सी0 वी0 रमणक उपलब्धिक विवरण अंकित करू।

13. लालदासक साहित्यिक परिचय दिअ।

14. 'उठक कृषक' शीर्षक कविताक भाव व्यक्त करू।

15. 'शरद–संगीत' शीर्षक कविता में शरद पूर्णिमाक सौन्दर्यक वर्णन करू।

16. निम्नलिखित मे सँ कोनो एक विषय पर निबन्ध लिखू – (1X8=8)

(क) वसन्त ऋतु

(ख) अहाँक प्रिय लेखक

(ग) छात्र ओ अनुशासन

(घ) समाजसेवा

(ड.) दूरदर्शनक उपयोगिता

17. निम्नलिखित मे सँ कोनो दूटाक सप्रसंग व्याख्या करू – (2 X 4 = 8)

(क) ''सत्यक सदा जीत होइत छैक। हमर समाज सत्यहि पर टिकल अछि से हम कहैत छी जे हमरा लोकनिक जीवन में मिथ्या कथमपि नहि आबय। आडम्बर एवं छल प्रपंच सँ सए योजन दूर रहबाक चाही।''

(ख) ''व्यक्तिक उन्नति सँ समुदायक उन्नति भए सकैत अछि। 'अधोगति' करैत यथार्थतः अधोगति भए जाएत। तेँ अधोगति केँ दबाए उर्ध्वगति दिशि दृष्टि राखू।''

(ग) ''कविपति विद्यापति मतिमाने।

जाक गीत जगचीत चोराओल

गोविन्द गौरि सरस रस गाने।।''

(घ) ''घट–घट में वासी ब्रह्म एक,

हो भाव अविद्या सँ अनेक।

बुझितहुँ वेदांती हमर वारि,

अपवित्र करथि कऽ कऽ प्रलाप।।''

18. प्रधानाचार्य केँ आवेदन लिखू, जाहि में दस दिनक अवकाश लेल निवेदन हो। (1x5=5)

अथवा

मित्र के पत्र लिखू, जाहि में अपन बहिनक विवाह में आमंत्रण हो।

19. संक्षेपण करू :– (1x4=4)

आङन में हूलि मचल अछि। भीतर–बाहर लोक गज्जल। गर्दम गोल। उल्लासपूर्ण व्यस्तता व्याप्त। छबारी दल चेल्हा माछजकाँ उजाहि उठओने अछि। दरबज्जा पर दादा पान सुपारी बँटबा रहल छथि आ माय आँगन में स्त्रीगण सभ केँ चीज–वस्तु देखा रहल अछि।